Printed from
नवभारत टाइम्स
Navbharat Times - Breaking news, views. reviews, cricket from across India

# यूपी के कई शहरों को जोड़ेगा यमुना एक्सपे्रस-वे

29 Jan 2011, 0400 hrs IST

श्यामवीर चावडा ॥ ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा से आगरा के लिए बनाया जा रहा यमुना एक्सप्रेस-वे यूपी के कई महत्वपूर्ण शहरों को डायरेक्ट जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके लिए आगरा में 22 किलोमीटर लंबा रिंग रोड बनना शुरू हो गया है। यह रिंग रोड एनएच-2 से जुड़ेगा। यहां से कानपुर आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इसके अलावा यह एक्सपे्रस-वे ग्वालियर-मुंबई हाइवे को भी कनेक्ट करेगा।

ग्रेटर नोएडा से आगरा तक बनने वाला 165 किलोमीटर लंबा यमुना एक्सप्रेस-वे से अब सिर्फ ताज का ही दीदार नहीं होगा, बल्कि लोग इससे कानपुर, मुंबई या ग्वालियर तक का सफर करने में आसानी होगी। यमुना एक्सप्रेस-वे ग्रेटर नोएडा से आगरा के कुबेरपुर में पहुंचकर खत्म हो रहा है। यहां से ताजमहल तक पहुंचने के लिए लगभग 22 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। वहीं अगर आगरा के अंदर घुस जाएं तो भयंकर जाम में फंस जाएंगे। इससे बचने के लिए कुबेरपुर से आगरा में करीब 22 किलोमीटर लंबा रिंग रोड बनना शुरू हो गया है। यह प्रोजेक्ट भी जेपी ग्रुप को दिया गया है।

इस रोड के बनने के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे आगे चलकर एनएच-2 से कनेक्ट करेगा। एनएच-2 से होकर यहां से करीब 286 किलोमीटर दूर कानपुर में पहुंचा जा सकेगा। इस तरह यमुना एक्सप्रेस-वे से होकर कानपुर लगभग 6 घंटे में पहुंच जाएंगे। अभी तक जीटी रोड से होकर कानपुर पहुंचने में लगभग 10 घंटे से ज्यादा समय लगता है। वहीं रास्तों में जाम भी मिलता है। उसके बाद लगने वाला समय 12 से 15 घंटे तक हो जाता है।

इसके अलावा रिंग रोड बनने के बाद ताजमहल के दीदार करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। यमुना एक्सप्रेस-वे से होकर टूरिस्ट आगरा मंे ताजमहल देख सकेंगे और उसके बाद एनएच-2 से होकर कानपुर में ऐतिहासिक बिटूर और अन्य ऐतिहासिक स्थल देखे जा सकेंगे। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे मुंबई-ग्वालियर हाइवे से भी जुड़ जाएगा।

वहीं आगरा में रिंग रोड बन जाने के बाद फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल आदि शहरों के लोगों को भी फायदा होगा। दिल्ली से एनएच-2 हरियाणा के फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल आदि शहरों से होकर आगरा पहुंचेगा। रिंग रोड के जरिए बगैर आगरा के अंदर घुसे कानपुर जाया जा सकेगा।

### जीरो पॉइंट इंटरचेंज को दिया फाइनल टच

ग्रेटर नोएडा से आगरा के बीच बनाए जा रहे 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेस-वे का जीरो पॉइंट यहां गलगोटिया कॉलेज के पास है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से यमुना एक्सप्रेस-वे इसी स्थान पर कनेक्ट हो रहा है। दोनों एक्सप्रेस-वे को कनेक्ट करने के लिए यहां इंटरचेंज का निर्माण तेजी पर है। इसको फाइनल टच दे दिया गया है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा से आने वाले लोग इसी से होकर यमुना एक्सप्रेस-वे पर पहुंचेंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट पर जेपी ग्रुप काम कर रहा है। हालांकि ग्रुप को इसका निर्माण कार्य 2013 तक पूरा करने की अनुमति मिली हुई है, लेकिन शासन के निर्देश और फॉर्म्युला वन रेस को देखते हुए इसे मार्च-अप्रैल तक पूरा करना है। हालांकि कुछ इंटरचेंज और अन्य फैसिलिटीज का निर्माण बाद में भी चलता रहेगा। इंटरचेंज के स्थान पर सर्विस लेन पर गाडियों को उतारकर फिर से मेन रोड पर चढ़ा दिया जाएगा। अथॉरिटी के साथ-साथ शासन भी इस प्रोजेक्ट पर पूरी नजर बनाए हुए हैं। यह यूपी की सीएम मायावती के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। प्रोग्रेस के संबंध में हर 15 दिनों में यमुना अथॉरिटी, जेपी ग्रुप और शासन के अधिकारियों के बीच लखनऊ में मीटिंग की जाती है।

यमुना अथॉरिटी सूत्रों के अनुसार मथुरा और आगरा के बीच एक्सप्रेस - वे का काम 82 प्रतिशत हो चुका है। ग्रेटर नोएडा से जेवर तक 70 प्रतिशत काम हो गया है। वहीं अलीगढ़ और आगरा के बीच अभी 45 प्रतिशत काम ही हो सका है। यहां किसानों के अडंगे के कारण काम में देरी हो रही थी।

### ग्रेनो टु आगरा तक बसेंगे नए शहर

यमुना अथॉरिटी के अफसरों के अनुसार ग्रेटर नोएडा से आगरा तक एक्सप्रेस - वे के किनारे टाउनशिप बसाई जाएगी। फर्स्ट फेज में ग्रेटर नोएडा से जेवर तक विकास किया जाएगा। इसमें 133 गांव हैं। इसका कुल एरिया 42457 हेक्टेयर है। इसमें एयरपोर्ट के लिए 2314 हेक्टेयर जमीन एयरपोर्ट के लिए रिजर्व रखी गई है। 758 हेक्टेयर में गांवों की आबादी है। फ्यूचर डिवेलपमेंट के लिए 11982.30 हेक्टेयर जमीन रिजर्व है। यमुना एक्सप्रेस - वे के निर्माण कर रही जेपी ग्रुप के इन्फ्रास्ट्रक्चर के डिवेलपमेंट के लिए एक हजार हेक्टेयर जमीन निधार्रित की गई है। कुल 26402.70 हेक्टेयर जमीन पर सेक्टर बसाए जाएंगे। इसमें से 834 हेक्टेयर जमीन रोड डिवेलपमेंट में यूज की जाएगी।

### जोनल प्लान में 25 प्रतिशत ग्रीनरी निधार्रित की गई है

यमुना अथॉरिटी के जोनल प्लान 2031 में प्रस्तावित एयरपोर्ट , पब्लिक व सेमी पब्लिक ऑफिस , ट्रांसपोर्ट एंड होलसेल हब , फैसिलिटी एरिया , ग्रीन बेल्ट , कमर्शल एरिया , मेट्रो कॉरिडोर , प्रस्तावित ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस - वे , प्रस्तावित रेलवे स्टेशन , रेलवे ट्रैक , प्रस्तावित बस टर्मिनल , हाई कपैसिटी पब्लिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर , मेट्रो स्टेशन और फ्यूचर डिवेलपमेंट के लिए स्पेस रखे गए हैं। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस - वे यमुना एक्सप्रेस - वे को जगनपुर - अफजलपुर गांव के पास कनेक्ट करेगा। 130 मीटर रोड के पास से जेवर तक मेट्रो कॉरिडोर दिखाया गया है। जेवर के पास ही मेट्रो का स्टेशन प्रस्तावित है। जोनल प्लान के अनुसार ग्रेटर नोएडा से जेवर तक यमुना एक्सप्रेस - वे के आसपास डिवेलपमेंट किया जा एगा।

Recommend Be the first of your friends to recommend this.

इस आर्टिकल को फेसबुक पर शेयर करें।
इस आर्टिकल को ट्वीट करें।

देश-दुनिया की खबरें विडियो में। देखने के लिए क्लिक करें।

About Us | Advertise with Us | Terms of Use | Privacy Policy | Feedback | Sitemap
Copyright © 2011 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service
This site is best viewed with Internet Explorer 6.0 or higher; Firefox 2.0 or higher at a minimum screen resolution of 1024x768